

साँवरिया री बड़ी अपार कृपा बरस रही भजन लिरिक्स



साँवरिया री बड़ी अपार,
कृपा बरस रही जी बरस रही,
समझो तो बेड़ा पार,
कृपा बरस रही जी बरस रही,
साँवरिया री बड़ी अपार,
कृपा बरस रही जी बरस रही।bd।

पहली कृपा माने मनख बणायो,
संता रे संग में लाय बिठायो,
खोल दिया भंडार,
कृपा बरस रही जी बरस रही,
साँवरिया री बड़ी अपार,
कृपा बरस रही जी बरस रही।bd।

पापी और मूर्ख नर नारी,
हरि भगति रा सब अधिकारी,
हे दाता बड़ो उदार,
कृपा बरस रही जी बरस रही,
साँवरिया री बड़ी अपार,
कृपा बरस रही जी बरस रही।bd।

सुख-दुख घाटों नफो बीमारी,
है साधन सामग्री सारी,
हे मुंडों मति बिगाड़,
कृपा बरस रही जी बरस रही,
साँवरिया री बड़ी अपार,
कृपा बरस रही जी बरस रही।bd।

मैं म्हारा संकल्प आज मिटावा,
क्यों मैं दूजी अकल लगावा,
है राख धणी पर भार,
कृपा बरस रही जी बरस रही,
साँवरिया री बड़ी अपार,
कृपा बरस रही जी बरस रही।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - <https://www.bhajandiary.com>



साँवरिया री बड़ी अपार,
कृपा बरस रही जी बरस रही,
समझो तो बेड़ा पार,
कृपा बरस रही जी बरस रही,
साँवरिया री बड़ी अपार,
कृपा बरस रही जी बरस रही।

गायक / प्रेषक – देव शर्मा आमा ।
8290376657